



<http://www.igau.edu.in>
<http://www.igau.nic.in>

नाम

{सौराष्ट्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, राजकोट
सौराष्ट्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, राजकोट
(Project sponsored by IMD, MoES, New Delhi)



0771-2442557

Patron: Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary

Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar

Prof. & Head (Agromet): Dr. G.K. Das
Research Associate: Sanjay Bhelawe

Advisory Committee: Agrometeorology- Dr. Harsh Vardhan Puranik, Entomology-Dr. Sanjay Sharma, Dr. V.K. Dubey
Horticulture-Dr. H.G. Sharma; Dr. G.D. Sahu Plant Pathology- Dr. N. Lakpale, Dr. H.K. Singh, Veg. Science-Dr. G.L. Sharma, Dr. Gaurav Sharma
Agronomy - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar Animal Science - Dr. (smt.) N. Kerketta, FMP – Er.R.K. Naik ,SWE-Er. Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक: 74

दिनांक 15.09.2017

मौसम पूर्वानुमान: (बलोदाबजार जिले के लिए)-

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind	
								Speed	Direction
BALODABAZAR	16/09/2017	6	32	25	6	90	65	3	SW
BALODABAZAR	17/09/2017	2	33	25	6	90	65	4	SW
BALODABAZAR	18/09/2017	6	33	25	7	90	65	4	W
BALODABAZAR	19/09/2017	12	33	26	7	90	65	4	W
BALODABAZAR	20/09/2017	8	33	26	7	92	69	4	W

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

- धान फसल नहीं लगाने की स्थिति में कुल्थी, मूंग, उड़द, तोरिया, मक्का, सूरजमुखी, सब्जी, एवं चारे वाली फसलों की बुवाई करें।
- धान की फसल में माहू एवं तनाछेदक कीटों के लिए खेत में फसल की सतत निगरानी करें। जिन स्थानों पर तना छेदक की तितली 1 वर्ग मी. में एक से अधिक दिखाई दे रही हो वहां कार्बोफ्यूराॅन 33 कि.ग्रा. या फर्टेरा 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के दर से छिड़काव करें। खुला मौसम देखते हुए धान की फसल में निंदाई-गुडाई द्वारा निंदा नियंत्रण कि सलाह दी जाती है।
- शीघ्र पकने वाली धान की फसल पुष्पन अवस्था में है, यदि उनमें 50 % पुष्पन हो चुका है, तो नत्रजन की तृतीय किशत का छिड़काव करें।
- भूरा माहो के नियमित प्रकोप वाले स्थानों पर फोरेट का इस्तेमाल न करें। कीट प्रकोप की तीव्रता होने पर इमिडाक्लोफ्रिड 125 मि.ली. या इथिप्रोल + इमिडाक्लोफ्रिड 150 मि. ली. दवा का उपयोग करें।
- धान में तना छेदक कीट की निगरानी के लिए फिरोमेन ट्रेप 2-3 प्रति एकड़ का उपयोग करें एवं प्रकोप पाये जाने पर 8-10 फिरोमेन ट्रेप का उपयोग नियंत्रण के लिए करें।

फल एवं सब्जी

- कद्दूवर्गीय सब्जियों विशेषकर परवल में फल सड़न एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्सील + मैन्कोजेब को 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कापर आक्सिक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर की हिसाब से छिड़काव करें।
- पपीते में फल झड़न को रोकने हेतु 20 पी.पी.एम की दर से नैफथलिन एसिटिक एसिड (एन.ए.ए.) का छिड़काव करें।

3. जून में रोपित मुनगें की फसल एवं पीछले वर्ष रोपित आम के पौधों में सधार्ई हेतु कांट-छांट करें।
4. फलदार वृक्षों में कटाई-छटाई का कार्य पूर्ण कर लें।
5. मध्य कालीन फूलगोभी की रोपण तैयारी पूर्ण कर लें तथा रोपण पूर्व फफूंदनाशी एवं संवागी कीटनाशी से जड़ उपचारित अवश्य कर लें।

पशुपालन

1. अधिक संख्या में पशु बाड़े में न रखें। प्रत्येक पशु के लिए समुचित जगह की व्यवस्था रखें। एवं हवादार बाड़े बनायें।
2. उच्च तापमान एवं उमस के कारण पशुओं में डिहाईड्रेशन (निर्जलीकरण) की समस्या हो सकती है। अतः पशुओं को अधिक से अधिक पानी पिलाये। पानी में नमक मिलाये एवं पानी का बर्तन छायादार जगह में रखे।
3. सितम्बर माह में बकरियों भेड़ों को एंटोरोटोक्सीमिया नामक बीमारी का टीका अवश्य लगवा लें। बढते मेमनों को 6-10 सप्ताह की उम्र में इस बीमारी का टीका लगवाये।